Regarding incidents of male suicides in India-laid

श्री अनुभव मोहंती **(**केन्द्रपाड़ा**):** NCRB रिपोर्ट 2021 के अनुसार पुरुषों की आत्महत्या का आंकड़ा 72.4% है । अपने भाइयों पिताओं और दोस्तों द्वारा अनुभव किए गए दर्द और पीड़ा से आंखें बंद नहीं कर सकते । हर आत्महत्या सिर्फ एक आंकड़ा नहीं बल्कि उसके परिणामों से जूझते एक परिवार को दर्शाता है । सामाजिक अपेक्षाओं का बोझ अक्सर पुरुषों पर बहुत भारी पड़ता है । अपने emotional struggles को कह पाना मुश्किल हो जाता है । प्रतिनिधियों के रूप में यह हमारा कर्तव्य है कि एक ऐसा समाज बनाए जहां पीड़ा की बात और सम्मान की बात आए तो हर वर्ग महसूस कर सके कि इस सदन में उनकी भी बात कही और सुनी जाती है । हमें ऐसे समाज को बनाना है जहां मानसिक स्वास्थ्य के बारे में खुलकर बातचीत हो और यह सुनिश्चित भी करना होगा कि कानूनी ढांचा ऐसा हो जहां न्याय किसी भी जेंडर से परे निष्पक्ष और समान हो । कानून निर्माता के रूप में हमारे पास ऐसी नीतियों को आकार देने की शक्ति भी है । मैंने राज्यसभा में Equal Participation of Women in Governance पर प्राइवेट बिल introduce किया था । महिलाओं से जुड़ा ऐसा कोई विषय नहीं जहां मेरे दल और मैंने अपना समर्थन न दिया हो । इस देश की लाखों माताओं, बहनों की विनती है कि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जाए ।